हिन्दी (प्रतिष्ठा)

पंचम पत्र (नाट्य साहित्य)

समय - 3 घंटे **पूर्णांक -100**

अंक विभाजन

1. पाठ्य पुस्तकों से आलोचनात्मक प्रश्न $2 \times 15 = 30$ अंक
2. पाठ्य पुस्तक से व्याख्यात्मक प्रश्न $3 \times 10 = 30$ अंक
3. लघुउत्तरीय प्रश्न $5 \times 4 = 20$ अंक
4. वस्तुनिष्ठ / अतिलघुउत्तरीय प्रश्न $20 \times 1 = 20$ अंक

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें एवं पाठ्यांश

1. अजातशत्रु - जयशंकर प्रसाद
2. लहरों के राजहंस - मोहन राकेश
3. एकांकी कुंज सं. - डॉ. उमेशचन्द्र मिश्र 'शिव'

पाठ्यांश : ताँबे के कीड़ें - श्री भुवनेश्वर प्रसाद, दो कलाकार श्री भगवतीचरण वर्मा

राजरानी सीता-डॉ. रामकुमार वर्मा, एक दिन पं.- लक्ष्मीनाराण मिश्र

माँ - विष्णु प्रभाकर

सूखी डाली - उपेन्द्रनाथ अश्क

द्रुतपाठ हेतु निम्नलिखित रचनाकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का अध्ययन अपेक्षित/लघुउत्तरीय प्रश्न इनमें से किन्हीं दो पर आधृत होंगे।

अध्येतव्य- हरिकृष्ण प्रेमी, शंकर शेप, विपिन कुमार अग्रवाल।

अनुशंसित सहायक पुस्तकें-

(i) हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास- डॉ. दशरथ ओझा
(ii) आधुनिक हिन्दी नाटक : डॉ० नगेन्द्र
(iii) प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन- डॉ. जगन्नाथ प्र. शर्मा
(iv) प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक-धनंजय
(v) नाटक और रंगमंच- डॉ. सीताराम झा 'श्याम'
(vi) हिन्दी एकांकी : उद्भव और विकास - डॉ. रामचरण महेन्द्र

Scanned with CamScanner

(vii) हिन्दी एकांकी की शिल्पविधि का विकास-डॉ. सिद्धनाथ कुमार

षष्ठ पत्र (निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ)

समय- 3 घंटे पूर्णांक - 100

अंक विभाजन-

1. पाठ्य पुस्तकों से आलोचनात्मक प्रश्न $2 \times 15 = 30$ अंक
2. पाठ्य पुस्तकों में व्याख्यात्मक प्रश्न $3 \times 10 = 30$ अंक
3. लघुउत्तरीय प्रश्न $5 \times 4 = 20$ अंक
4. वस्तुनिष्ठ अतिलघुउत्तरीय प्रश्न $20 \times 1 = 20$ अंक

निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं पाठ्यांश-

1. गद्य-गौरव : सं. डा. नन्द जी दुबे

पाठ्यांश-निबंध : साहित्य की महत्ता-आचार्य महावीर प्र. द्विवेदी
कविता क्या है - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
अशोक के फूल - आचार्य हजारी प्र. द्विवेदी
छायावाद - आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी
पृथ्वी पर कल्पवृक्ष - बाबूगुलाब राय
बनजारा मन- डॉ. विद्यानिवास मिश्र
मीरावाई नाम- डॉ. पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल

रेखा चित्र/ संस्मरण : जंजीरें और दीवारें- रामवृक्ष बेनीपुरी

व्यंग्य : चिंतन चालू है-शरद जोशी

रिपोर्ताज : ऋणजल- फणीशवरनाथ रेणु

द्रुतपाठ हेतु निम्नलिखित रचनाकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का अध्ययन अपेक्षित लघुउत्तरीय प्रश्न इनमें से किन्हीं दो पर आघृत होंगे।

अध्येतव्य - पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' माखनलाल चतुर्वेदी, कुबेरनाथ राय।

अनुशंसित सहायक पुस्तकें-

(i) निबंध : स्वरूप और विकास - डॉ० चंद्र प्रकाश मिश्र
(ii) आचार्य रामचंद्र शुक्ल : निबंध संरचना काव्य चिंतन-योगेन्द्र प्रताप सिंह
(iii) हिन्दी निबंध : एक यात्रा- डॉ० सिद्धिनाथ श्रीवास्तव

सप्तम पत्र (हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास)

समय 3 घंटे पूर्णांक -100

यह पत्र चार खण्डों में विभक्त है। खण्ड (क)- हिन्दी भाषा के इतिहास में तथा खण्ड (ख)-किन्हीं साहित्य के इतिहास से संबंध है। परीक्षार्थियों को इन दोनों खण्डों से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। खण्ड (ग) एवं खण्ड (घ) क्रमशः लघुउत्तरीय और वस्तुनिष्ठ/अतिलघुउत्तरीय प्रश्नों के होंगे जिनके भी उत्तर अपेक्षित होंगे।

अंक विभाजन-

1. निर्धारित पाठ्य विषयों से आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक खण्ड से दो-दो प्रश्न) $4 \times 15 = 60$ अंक
2. लघुउत्तरीय प्रश्न $5 \times 4 = 20$ अंक
3. वस्तुनिष्ठ/अतिलघुउत्तरीय प्रश्न $20 \times 1 = 20$ अंक

निर्धारित पाठ्य विषय-

खण्ड (क) हिन्दी भाषा का इतिहास

अध्येतव्य- हिन्दी भाषा का स्वरूप विकास-हिन्दी की उत्पत्ति, हिन्दी की मूल आकार भाषाएँ, पुरानी हिन्दी, अवहट्ट डिंगल तथा विभिन्न विभाषाओं का विकास।

Scanned with CamScanner

हिन्दी का शब्द भण्डार-तत्सम्, तद्‌भव, देशज, विदेशज।

हिन्दी भाषा का मानकीकरण और आधुनिकीकरण।

हिन्दी भाषा की निजी प्रकृति।

खण्ड (ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास

अध्येतव्य- हिन्दी साहित्येतिहास-लेखन की परंपरा

हिन्दी साहित्योतिहास में काल विभाजन और नामकरण।

आदिकाल, पूर्व मध्यकाल, उत्तरमध्यकाल और आधुनिक काल को सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, पृष्ठभूमि, प्रमुख युग, प्रवृत्तियाँ विशिष्ट रचनाकार और उनकी प्रतिनिधि कृतियाँ।

निम्नलिखित गद्य विधाओं का उद्‌भव और विकास-

1. कहानी 2. उपन्यास 3. नाटक 4. निबंध 5. आलोचना

ध्यातव्य- इस पत्र के लघुउत्तरीय प्रश्न उपर्युक्त निर्धारित पाठ्य विषय पर आधृत होंगे।

अनुशंसित सहायक पुस्तकें-

(i) हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास- डॉ० उदयनारायण तिवारी (भारती भंडार, इलाहाबाद)

(ii) हिन्दी भाषा का इतिहास- डॉ० भोलानाथ तिवारी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)

(iii) हिन्दी भाषा का विकास- डॉ० गोपाल राय (अनुपम प्रकाशन, पटना)

(iv) हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

(v) हिन्दी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ० नगेन्द्र

(vi) हिन्दी साहित्य उद्‌भव और विकास-आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(vii) रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ० नगेन्द्र

(viii) आधुनिक हिन्दी साहित्य- डॉ० लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

(ix) रीति साहित्य को बिहार की देन- डॉ० अमरनाथ सिन्हा

(x) आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास- डॉ० श्रीकृष्ण लाल

(xi) रसमंजरी- सं० कन्हैयालाल पोद्दार

अष्टम पत्र (साहित्य के सिद्धांत और हिन्दी आलोचना)

समय- 3 घंटे पूर्णांक-100

यह पत्र पाँच खण्डों में विभक्त है खण्ड (क)- भारतीय साहित्य सिद्धांत का है जिससे परीक्षार्थियों को दो आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। खण्ड (ख) पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत एवं खण्ड (ग) प्रमुख हिन्दी आलोचकों से संबद्ध हैं इनमें से प्रत्येक का एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देना होगा। खण्ड (घ) एवं खण्ड (ड.) क्रमशः लघुउत्तरीय और वस्तुनिष्ठ/ अतिलघुउत्तरीय प्रश्नों के होंगे जिनके भी उत्तर अपेक्षित होंगे।

अंक विभाजन

1. निर्धारित पाठ्य विषयों से आलोचनात्मक प्रश्न	4 × 15 = 60 अंक
2. लघुउत्तरीय प्रश्न	5 × 4 = 20 अंक
3. वस्तुनिष्ठ/अतिलघुउत्तरीय प्रश्न	20 × 1 = 20 अंक

निर्धारित पाठ्य विषय-

खण्ड (क) भारतीय साहित्य सिद्धांत

अध्येतव्य- काव्य-लक्षण, काव्य हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य-प्रकार

शब्दशक्ति, प्रमुख प्रकार।

काव्य गुण, काव्य-दोष, काव्य-रीति

रस निष्पत्ति, साधारणीकरण।

निम्नलिखित अलंकार युग्मों का तुलनात्मक अध्ययन-

Scanned with CamScanner

श्लेष-यमक, उपमा-रूपक, उपमा उत्प्रेक्षा, काव्यलिंग-अर्थान्तर न्यास दृष्टान्त-निदर्शना, दीपक-तुल्ययोगिता, संदेह-भ्रान्तिमान, विरोधाभास, असंगति, अप्रस्तुत प्रशंसा, समास्येक्ति, संकर-संसृष्टि

निम्नांकित छंदों के लक्षण उदाहरण का अध्ययन-

चौपाई, राला, हरिगीतिका, दोहा, सोरठा, कुंडलिया, दुतविलंबित, मंदाक्रान्ता, सवैया, कविता।

खण्ड (ख) पाश्चात्य साहित्य-सिद्धांत

अध्येतव्य- प्लेटो, वर्डसवर्थ, मैथ्यू, आर्नल्ड और आई० ए० रिचर्ड्स के साहित्य सिद्धांतों का सामान्य परिचय

खण्ड (ग) प्रमुख हिन्दी आलोचकों के अवदान

अध्येतव्य- आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नन्ददुलारे वाजपेयी, डॉ. रामविलास शर्मा।

ध्यातव्य- इस पत्र के लघुउत्तरीय प्रश्न उपर्युक्त निर्धारित पाठ्य विषय पर आघृत होंगे।

अनुशंसित सहायक पुस्तकें-

(i) भारतीय काव्यशास्त्र (भाग-1 और भाग-2) डॉ० बलदेव उपाध्याय
(ii) काव्य दर्पण- पं० राम दहिन मिश्र
(iii) भारतीय काव्य चिन्तन में शब्द- डॉ० अमरनाथ सिन्हा
(iv) रस मंजरी-कन्हैया लाल पोद्दार
(v) रस प्रक्रिया और बोध- डॉ० रूद्र प्रताप सिंह
(vi) अलंकार रीति और वक्रोक्ति-डॉ० सत्यदेव चौधरी
(vii) अलंकार मुक्तावली- देवेन्द्र नाथ शर्मा
(viii) अलंकार मीमांसा-मुरली मनोहर प्र सिंह
(ix) हिन्दी छन्द प्रकाश-रघुनन्दन शास्त्री
(x) पाश्चात्य काव्यशास्त्र-देवेन्द्रनाथ शर्मा

हिन्दी (सामान्य)

(भाषा-साहित्य का इतिहास, काव्यांग विवेचन एवं प्रयोजन मूलक हिन्दी)

समय- 3 घंटे **पूर्णांक-100**

यह पत्र पाँच खण्डों में विभक्त है खण्ड (क)- हिन्दी भाषा के इतिहास से, खण्ड (ख)-हिन्दी साहित्य के इतिहास से, खण्ड (ग)-काव्यांग विवेचन से और खण्ड (घ)- प्रयोजन मूलक हिन्दी से संबद्ध है। परीक्षार्थियों को इनमें से प्रत्येक से एक-एक अर्थात् कुल चार आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। खण्ड (ड.) वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरीय प्रश्नों का होगा जिनके भी उत्तर अपेक्षित होंगे।

अंक विभाजन-

1.	निर्धारित पाठ्यांश से आलोचनात्मक प्रश्न प्रत्येक खण्ड से एक-एक	$4 \times 20 = 80$ अंक
2.	वस्तुनिष्ठ/अतिलघुउत्तरीय प्रश्न	$20 \times 1 = 20$ अंक

निर्धारित पाठ्य विषय-

खण्ड (क) हिन्दी भाषा का इतिहास

अध्येतव्य-हिन्दी भाषा का स्वरूप विकास, मूल आकार' भाषाएँ तथा विभाषाओं का विकास

खण्ड (ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास

अध्येतव्य- हिन्दी साहित्य के आदिकाल पूर्वमध्यकाल, उत्तरमध्यकाल तथा आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि प्रमुख युगप्रवृत्तियाँ, विशिष्ट रचनाकार और उनकी प्रतिनिधि कृतियाँ।

Scanned with CamScanner

खण्ड (ग) काव्यांग विवेचन

अध्येतव्य- काव्य का स्वरूप, काव्य हेतु काव्य प्रयोजन।

रसांग विवेचन, रस निष्पति।

निम्नांकित अलंकारों के लक्षण-उदाहरण, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रांतिमान, श्लेष, असंगति, विरोधाभास, अतिशयोक्ति, विभावना।

निम्नलिखित छंदों के लक्षण-उदाहरण दोहा, चौपाई, रोला, सोरठा, कवित्त, छपय, कुंडलिया, सवैया, वसंततिलका, मंदाक्रान्ता।

खण्ड (घ) प्रयोजनमूलक हिन्दी

अध्येतव्य- संक्षेपण, पल्लवन, प्रारूपण, टिप्पण

कार्यालयी एवं व्यासायिक पत्र।

ध्यातव्य- इस पत्र के लघुउत्तरीय प्रश्न निर्धारित पाठ्य विषय पर आधृत होंगे।

अनुशंसित सहायक पुस्तकें-

(i) हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास डॉ० उदय नारायण तिवारी (भारती भंडार, इलाहाबाद)

(ii) हिन्दी भाषा का इतिहास- डॉ० भोलानाथ तिवारी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)

(iii) हिन्दी भाषा का विकास- डॉ० गोपाल राय (अनुपम प्रकाशन, पटना)

(iv) हिन्दी साहित्य का इतिहास-स्व. डा. नगेन्द्र

(v) हिन्दी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(vi) रीतिकाल की भूमिका- डॉ० नगेन्द्र

(vii) आधुनिक हिन्दी साहित्य- डॉ० लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

(viii) काव्य दर्पण-पं० रामदहिन मिश्र

(ix) रसमंजरी-सं० कन्हैयालाल पोद्दार

(x) रस प्रक्रिया और बोध-डॉ. रूद्र प्रताप सिंह

(xi) अलंकार मुक्तावली- आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा

(xii) छन्दशास्त्र- पं० रघुनन्दन शास्त्री

(xiii) प्रयोजनमूलक हिन्दी-विनोद गोदरे (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)।

(xiv) हिन्दी राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं संपर्क भाषा- डॉ० मदन कुमार (मोतीलाल बनारसीदास, पटना)।

(xv) काव्य कल्पद्रुम-कन्हैयालाल पोद्दार

(xvi) प्रयोजनमूलक हिन्दी : पारिभाषिक शब्दावली तथा टिप्पण प्ररूपण- डॉ० मधु धवन

Scanned with CamScanner